GOVT. BRENNEN COLLEGE LIBRARY THALASSERY

K19P 0229

Reg. No. : .....

Name : .....

II Semester M.A. Degree (Reg./Suppl./Imp.) Examination, April 2019
(2014 Admission Onwards)
HINDI LANGUAGE AND LITERATURE
HIN2C07 : Modern Hindi Poetry (upto Nayi Kavitha)

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80

I. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें । (5×1=5)

1) मार्क्सवादी कविता की विशेषताएँ ।
2) सरस्वती पत्रिका ।
3) छायावाद की दो विशेषताएँ ।
4) भारतेन्दु युगीन कवियों के नाम ।
5) हरिऔध जी की भाषा ।
6) कामायनी के पात्र और उनका प्रतीक ।
7) राम की शक्तिपूजा की मूल संवेदना ।
8) तरल हृदय की उच्छवासें
   जब भोले मेघ लुटा जाते भाव लिखिए ।
9) द्विवेदी युगीन प्रमुख रचनाकार ।

II. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (3×5=15)

10) हिन्दी कविता के क्षेत्र में गाँधिजी का प्रभाव ।
11) नवजागरण काल की सामाजिक परिस्थिति ।
12) नौका विहार में चित्रित प्रकृति वर्णन ।
13) कामायनी का दर्शन ।
14) जयद्रथ-वध का कथ्य पक्ष ।

P.T.O.

III. किन्हीं **तीन** प्रश्नों पर निबंध लिखिए । (अधिकतम **300** शब्द) **(3×12=36)**

15) असाध्यवीणा में प्रतीक योजना का वर्णन कीजिए ।

16) कामायनी में महाकाव्यत्व पर विचार कीजिए ।

17) पठित कविताओं के आधार पर नागार्जुन की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

18) अंधेरे कविता की प्रासंगिकता पर एक निबन्ध लिखिए ।

19) पठित कविताओं के आधार पर निराला की प्रगतिवादी चेतना पर प्रकाश डालिए ।

IV. किन्हीं **चार** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(4×6=24)**

20) इस धारा-सा ही जग का क्रम, शाश्वत
इस जीवन का उद्‌गम,
शाश्वत है गति ! शाश्वत संगम !
शाश्वत नभ का नीला विकास, शाश्वत शशि
का यह रजत हारा,
शाश्वत लघु लहरों का विलास !

21) दया, माया, ममता ले आज,
मधुरिमा लो, अगाध विश्वास !
हमारा हृदय रत्न निधि स्वच्छ,
तुम्हारे लिए खुला है पास ।

22) सिहरा तन, क्षण भर भूला मन, लहरा समस्त,
हर धनुर्भंग को पुनर्वार ज्यों उठा हस्त,
फूटी स्मिति सीता-ध्यान-लीन राम के अधर,
फिर विश्व-विजय-भावना हृदय में आयी भर ।

23) धीरे धीरे उतर क्षितिज से
पुलक पुलक उर, सिहर सिहर तन
कौन तुम मेरे हृदय में
विरह का जलजात जीवन
बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ ।

24) पहेली सा जीवन है व्यस्त
उसे सुलझाने का अभिमान ।
बताता है विस्मृति का मार्ग,
चल रहा हूँ बनकर अनजान ।